हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

# अलीगढ़ से चित्रकूट के 32 बंधुआ मजदूर मुक्त

18 Jan 2019

चित्रकूट | निज संवाददाता

अलीगढ़ जिले के खैर तहसील से 32 बाल बंधुआ मजदूरों को बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने मुक्त कराया है। इन सभी से खैर के एक ईंट भट्ठे पर जबरन कार्य कराया जा रहा था। मोर्चा की शिकायत पर अलीगढ़ प्रशासन हरकत में आया और मजदूरों को छुड़ाकर सकुशल घर भेजा।

बुंदेलखंड से रोजगार के अभाव में हर साल यहां के मजदूर दूसरे प्रांतों व जिलों में मजदूरी के लिए जाते हैं। जिले के पाठा क्षेत्र में बसे चुरेह केशरूवा व बांदा के सिंहपुरमाफी के कुछ मजदूर अलीगढ़ मजदूरी करने गए थे। वहां भट्ठा मालिक ने सभी को बंधुआ बना लिया। बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार ने बताया कि 14 जनवरी को

## पहुंचे घर

- बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने अलीगढ़ के जिलाधिकारी से की थी शिकायत
- खैर तहसील के भट्ठे पर जबरन कराया जा रहा था काम

अलीगढ़ के खैर तहसील क्षेत्र के एक भट्ठे के कुछ मजदूरों ने उन्हें बंधक बनाकर काम कराने की जानकारी दी थी। इस पर 15 जनवरी को अलीगढ़ के डीएम को इन सभी बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने के लिए पत्र लिखा। मामले को संज्ञान में लेते हुए डीएम ने टीम के साथ खैर तहसील क्षेत्र के रेसरी गांव स्थित ईंट भट्ठे पर छापा मारकर सभी 32 बंधुआ मजदूरों को रिहा कराया।

गुमराह कर ले जाते एजेंट पेज 06

# गुमराह कर मजदूरों को लिवा जाते एजेंट

चित्रकूट | निज संवाददाता

बेरोजगारी का दंश झेल रहे बुंदेलखंड के मजदूर बंधुआ होकर दूसरे प्रांतों में मजदूरी करने के लिए मजबूर हो गए है। गांवों से गरीब मजदूरों को गुमराह कर एजेंट अपने साथ वाहनों में लेकर दूसरे प्रांतों के दबंगों के पास छोंड देते है। मजदूर तो मजदूरी करते रहते हैं, लेकिन उनका ज्यादातर पैसा एजेंट हडप कर लेते है। जिसकी वजह से मजदूरों को बंधुआ होकर मजदूरी करनी पड़ती है। अभी एक दिन पहले ही हरियाणा के भिवानी जिले से भी ढ़ाई दर्जन मजदूरों को मुक्त कराया गया था।

कई माह पहले मानिकपुर विकासखंड के अत्यधिक पिछड़े पाठा क्षेत्र में बसे चुरेह केशरूआ गांव के 32 मजदूर एक एजेंट की मीठी बातों में फंसकर रोजगार की उम्मीद लेकर अलीगढ़ चले गए। एजेंट ने इन मजदूरों को भरोसा दिया था कि अलीगढ़ में उनके लिए अच्छा काम है।

मजदूरी के तौर पर पैसे भी अधिक मिलेंगे। एजेंट की बातों में आकर अयोध्या प्रसाद, सुनीता देवी, शिवा, पायल, मनू, नेहा, मुन्ना, मिथलेश कुमारी, रश्मि, विकास, मांशु, रितांशु, राजकुमार, रामकली, पूजा, शिवानी, बुद्धविलाश, गुडिया, पवन, संजय, धर्मराज, इन्द्रजीत, राजेश, आरती, साहिल, देवीदयाल, ऊषा, नेहा, शिवम, महम, अखिलेश, किरण आदि अलीगढ़ चले गए। मजदूरों का कहना है कि वहां पर उनके ईंट भट्ठे में काम लिया जा रहा था। कुछ दिन तक ठीकठाक चला। इसके बाद उनको ले जाने वाले एजेंट ने ही गड़बड़ किया। जिसकी वजह से उन सभी को भट्ठा मालिक ने बंधुआ बना लिया। वह बाहर निकल नहीं पा रहे थे। मांगने पर उनका पैसा नहीं दिया जा रहा था।

अलीगढ़ से वापस घर आए मजदूर। ● हिन्दुस्तान

### मजदूरों के साथ की गई मारपीट

बंधुआ मजदूरी से मुक्त हुए मजदूरों ने बताया कि उनके साथ भट्ठा मालिक के लोग मारपीट तक करते थे। मारपीट की वजह से मजदूर मुन्ना, राजा, मिथलेश, अयोध्या, राजकुमार, सुनीता के चोटें भी आई है। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उनको अलीगढ़ प्रशासन ने मुक्त तो करा दिया है, लेकिन उनकी मजदूरी का पैसा बकाया है।